चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 13 अक्टूबर 2026, अंक –378.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

"पवित्रता मन के भीतर से आती है।"

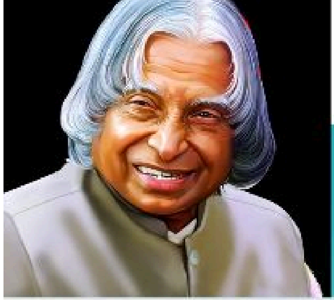

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

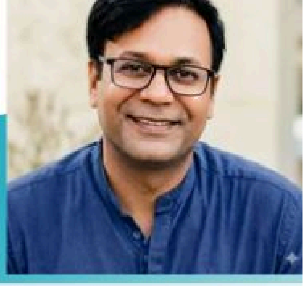

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. सेशेल्स की राजधानी क्या है?
उत्तर: विक्टोरिया
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राज्यपाल कौन थीं?
उत्तर: सरोजिनी नायडू
प्रश्न 3. 'लहू' नृत्य किस राज्य की जनजातीय सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ा है?
उत्तर: मिजोरम
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या का ⅓ भाग 18 है, तो वह संख्या क्या है?
उत्तर: 54
प्रश्न 5. बिहार का लगभग 500 वर्ष पुराना विरासत-घोषित बरगद का विशाल वृक्ष किस जिले के मदनपुर प्रखंड में स्थित है?
उत्तर: औरंगाबाद
प्रश्न 6. कौन-सा सरीसृप अपनी जीभ से हवा में मौजूद गंध के कणों को पहचानने में मदद लेता है?
उत्तर: साँप
प्रश्न 7. फोटोग्राफी में उपयोग होने वाले पहले व्यावहारिक कैमरे के विकास से किसका नाम विशेष रूप से जुड़ा है?
उत्तर: लुई डागेयर
प्रश्न 8. भारत में किसी राज्य के मुख्यमंत्री की नियुक्ति कौन करता है?
उत्तर: राज्यपाल
प्रश्न 9. 'जो कभी न मरे' के लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अमर
प्रश्न 10. यदि बिजली के किसी उपकरण या तार में आग लग जाए, तो क्या उस पर पानी डालना चाहिए?
उत्तर: नहीं

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Auction - ऑक्शन - नीलामी
2️⃣ Collateral - कोलैटरल - ऋण के बदले गिरवी रखी गई संपत्ति
3️⃣ Bankruptcy - बैंकरप्सी - दिवालियापन
4️⃣ Monopoly - मोनोपॉली - एकाधिकार
5️⃣ Franchise - फ्रैंचाइज़ - व्यापार करने का अधिकृत अधिकार
6️⃣ Royalty - रॉयल्टी - स्वामित्व-शुल्क
7️⃣ Commission - कमीशन - दलाली / सेवाशुल्क

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Whose + noun + are you going to + V1?"
(तुम किसका/किसकी/किसके ... करने वाले हो?)

तुम किसकी किताब पढ़ने वाले हो? – Whose book are you going to read?
तुम किसकी साइकिल इस्तेमाल करने वाले हो? – Whose bicycle are you going to use?
तुम किसका मोबाइल फोन लेने वाले हो? – Whose mobile phone are you going to take?
तुम किसकी सलाह मानने वाले हो? – Whose advice are you going to follow?
तुम किसके घर जाने वाले हो? – Whose house are you going to visit?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 13 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और स्थानीय स्तर पर सुरक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करने हेतु कौन-सा दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस (IDDRR)
व्याख्या: 13 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस' (International Day for Disaster Risk Reduction) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1989 में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने और वैश्विक सुरक्षा संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से इसकी शुरुआत की थी। यह दिवस 'सेंडाई फ्रेमवर्क फॉर डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (2015–2030)' के लक्ष्यों को प्राप्त करने, जलवायु-प्रेरित आपदाओं से निपटने, पूर्व चेतावनी प्रणालियों के विस्तार तथा समुदाय-आधारित आपदा प्रबंधन (CBDM) को सशक्त बनाने पर बल देता है।
संदर्भ: UN Office for Disaster Risk Reduction (UNDRR) Portal; Sendai Framework Guidelines;

प्र.2. रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 2026 'मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क' (MOFs) और छिद्रयुक्त पदार्थों द्वारा वायु से जलवाष्प अवशोषण व कार्बन कैप्चर के विकास हेतु किन अग्रणी वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई? (समसामयिक घटना)
उत्तर: उमर याघी, सुसुमु कितागावा और रिचर्ड रॉबसन
व्याख्या: अक्टूबर 2026 में रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने 'रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार 2026' मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs) तथा कोवैलेंट ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (COFs) के अभूतपूर्व डिजाइन और संश्लेषण के लिए प्रदान करने की घोषणा की। इन अत्यधिक छिद्रयुक्त और क्रिस्टलीय नैनो-पदार्थों की आंतरिक सतह का क्षेत्रफल अभूतपूर्व रूप से विशाल होता है (एक ग्राम पदार्थ का क्षेत्रफल एक फुटबॉल मैदान के बराबर हो सकता है)। इनका उपयोग मरुस्थलीय शुष्क हवा से शुद्ध पेयजल सोखने, औद्योगिक कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) को सीधे कैप्चर करने, हाइड्रोजन भंडारण और विशिष्ट रासायनिक उत्प्रेरण में क्रांतिकारी सिद्ध हो रहा है।
संदर्भ: The Royal Swedish Academy of Sciences Press Release October 2026;

प्र.3. मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध राष्ट्रवादी महाकाव्य है, जिसमें रामायण की उपेक्षित नारी उर्मिला के विरह, त्याग और आत्म-गौरव का मार्मिक व विस्तृत चित्रण किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: साकेत (1931)
व्याख्या: 'साकेत' (1931) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित 12 सर्गों का एक युगांतरकारी हिंदी महाकाव्य है। रवींद्रनाथ ठाकुर के निबंध 'काव्येर उपेक्षिता' से प्रेरित होकर गुप्त जी ने इसमें लक्ष्मण की पत्नी 'उर्मिला' के 14 वर्षों के मौन त्याग, विरह और सामाजिक योगदान को केंद्र में स्थापित किया। इसके नवम और दशम सर्ग में उर्मिला के वियोग की दार्शनिक और मानवीय अभिव्यक्ति हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि मानी जाती है। इसमें उर्मिला केवल विलाप करने वाली विरहिणी नहीं, बल्कि अयोध्या की प्रजा के कल्याण और आत्मनिर्भरता में लीन एक संयमी व आदर्श नारी के रूप में उभरती हैं।
संदर्भ: मैथिलीशरण गुप्त – 'साकेत', साकेत प्रकाशन/लोकभारती; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए भौगोलिक क्षेत्र में विभिन्न जातियों (प्रजातियों) के मध्य परस्पर भिन्नता, विविधता और उनके अंतर्संबंधों को किस प्रकार की विविधता कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जातीय विविधता (प्रजातीय विविधता / Species Diversity)
व्याख्या: जैव विविधता को मुख्य रूप से तीन स्तरों पर समझा जाता है: (1) आनुवंशिक विविधता (एक ही प्रजाति के जीनों में भिन्नता); (2) 'जातीय विविधता' (Species Diversity) – किसी विशिष्ट पारिस्थितिक तंत्र या बायोम में पाई जाने वाली विभिन्न प्रजातियों की संख्या (प्रजाति प्रचुरता) और उनकी सापेक्ष प्रचुरता (समरूपता); तथा (3) पारिस्थितिकीय विविधता (पारितंत्रों की भिन्नता)। उदाहरण के लिए, भारत के पश्चिमी घाट में उभयचरों की जातीय विविधता पूर्वी घाट की तुलना में कहीं अधिक है। समृद्ध जातीय विविधता पारिस्थितिक तंत्र के स्थायित्व, उत्पादकता और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अनिवार्य घटक है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 15 "जैव विविधता एवं संरक्षण", p. 278–282;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ क्षेत्र में भील जनजातियों को संगठित कर ब्रिटिश खजाने को लूटकर गरीबों में बांटने वाले अमर स्वतंत्रता सेनानी कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: टंट्या भील (टंट्या मामा)
व्याख्या: टंट्या भील (1842–1889) 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के दौर में मध्य भारत के एक महान जनजातीय क्रांतिवीर थे, जिन्हें आम जनता आदर से 'टंट्या मामा' और ब्रिटिश इतिहासकार 'भारतीय रॉबिन हुड' कहते थे। उन्होंने मालवा, निमाड़ और सतपुड़ा की बीहड़ पहाड़ियों में ब्रिटिश हुकूमत, शोषक साहूकारों और अंग्रेजी पुलिस के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छेड़ दिया। वे सरकारी खजाने और अंग्रेजों की रसद को लूटकर अकाल व गरीबी से पीड़ित निर्धन ग्रामीणों और आदिवासियों में बांट देते थे। लगभग 12 वर्षों तक ब्रिटिश सेना को चुनौती देने के उपरांत विश्वासघात से उन्हें बंदी बनाया गया और 4 दिसंबर 1889 को जबलपुर में फांसी दे दी गई।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 4 "आदिवासी, दीकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना", p. 45–48;

प्र.6. राजस्थान के अजमेर के निकट अरावली श्रेणी के नाग पहाड़ से निकलकर थार मरुस्थल से बहती हुई गुजरात के कच्छ के रण में विलीन होने वाली भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय नदी कौन-सी है? (भूगोल)

उत्तर: लूनी नदी (Luni River)

व्याख्या: लूनी नदी उत्तर-पश्चिम भारत के थार मरुस्थल की सबसे प्रमुख और विशाल नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 495 किलोमीटर है। इसका उद्गम अजमेर के निकट अरावली पर्वत श्रेणी की 'नाग पहाड़ी' से दो धाराओं (साबरमती और सरस्वती) के संगम से होता है। यह राजस्थान के जोधपुर, पाली, बाड़मेर और जालोर जिलों से बहती हुई गुजरात के 'कच्छ के रण' के दलदली मैदान में विसर्जित हो जाती है, अर्थात यह समुद्र तक नहीं पहुँचती (Endorheic Drainage)। इसकी एक अनूठी वैज्ञानिक विशेषता यह है कि उद्गम से बालोतरा (बाड़मेर) तक इसका जल पूर्णतः मीठा रहता है, परंतु इसके बाद मरुस्थलीय लवणयुक्त चट्टानों और मिट्टी के संपर्क में आने से इसका जल पूरी तरह खारा हो जाता है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य को पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्धन और देश के वनों तथा वन्यजीवों की रक्षा करने का स्पष्ट संवैधानिक कर्तव्य सौंपता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 48A (42वां संविधान संशोधन 1976)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में राज्य की नीति के निदेशक तत्वों (DPSP) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 48A' 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा अंतःस्थापित किया गया था। यह स्पष्ट उपबंध करता है कि "राज्य देश के पर्यावरण के संरक्षण तथा संवर्धन का और वन तथा वन्यजीवों की रक्षा करने का प्रयास करेगा।" इसके साथ ही अनुच्छेद 51A(g) के तहत प्रत्येक नागरिक का यह मूल कर्तव्य निर्धारित किया गया कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे। इसी संवैधानिक अधिदेश के अंतर्गत भारत में 'वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972', 'वन (संरक्षण) अधिनियम 1980' और 'पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986' जैसे कड़े कानून लागू किए गए हैं।

संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 48A;

प्र.8. किसी अवतल दर्पण के सामने वस्तु को कहाँ रखा जाए ताकि उसका वास्तविक, उल्टा और वस्तु के आकार के ठीक बराबर (समान आकार का) प्रतिबिंब बने? (विज्ञान)

उत्तर: वक्रता केंद्र पर (At Centre of Curvature / C)

व्याख्या: अवतल दर्पण द्वारा प्रकाश के परावर्तन के नियमों के अनुसार, जब किसी बिंब (वस्तु) को दर्पण के 'वक्रता केंद्र' (C) पर रखा जाता है: (1) मुख्य अक्ष के समानांतर चलने वाली प्रकाश किरण परावर्तन के पश्चात मुख्य फोकस (F) से होकर गुजरती है; (2) मुख्य फोकस से जाने वाली प्रकाश किरण परावर्तन के पश्चात मुख्य अक्ष के समानांतर निकलती है; (3) ये दोनों परावर्तित किरणें ठीक वक्रता केंद्र (C) के नीचे एक-दूसरे को प्रतिच्छेद करती हैं। फलस्वरूप बनने वाला प्रतिबिंब वक्रता केंद्र पर ही बनता है, प्रकृति में 'वास्तविक और उल्टा' होता है, तथा उसका आकार ठीक वस्तु के आकार के बराबर होता है (रेखीय आवर्धन $m = -1$)।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 178–181;

प्र.9. 8वीं शताब्दी में पल्लव शासक नरसिंहवर्मन द्वितीय (राजसिंह) द्वारा तमिलनाडु के महाबलीपुरम में समुद्र तट पर ग्रेनाइट शिलाखंडों से निर्मित द्रविड़ शैली का प्राचीन मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: शोर मंदिर (तट मंदिर / Shore Temple)

व्याख्या: शोर मंदिर (तट मंदिर) तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में बंगाल की खाड़ी के कोरोमंडल तट पर स्थित पल्लव स्थापत्य कला का एक अत्यंत उत्कृष्ट और प्राचीन पाषाण मंदिर है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी (लगभग 700–728 ईस्वी) में पल्लव राजवंश के सम्राट नरसिंहवर्मन द्वितीय ने करवाया था। यह मंदिर एकाश्म गुफाओं को काटकर बनाने के बजाय स्वतंत्र रूप से तराशे गए ग्रेनाइट पत्थरों के ब्लॉकों को जोड़कर बनाया गया पहला भव्य संरचनात्मक द्रविड़ मंदिर (Structural Temple) है। इसमें तीन मंदिर परिसर हैं — दो भगवान शिव को और एक मध्य में भगवान विष्णु (अनंतशयन रूप) को समर्पित हैं। इसके प्रांगण में नंदी बैल की अखंड मूर्तियां पंक्तिबद्ध स्थापित हैं। 1984 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 81–84;

प्र.10. 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान बिहार के बेगूसराय में विदेशी वस्त्रों और शराब की दुकानों के बहिष्कार का नेतृत्व करने वाली और जेल जाने वाली प्रमुख महिला स्वतंत्रता सेनानी कौन थीं? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: साधना देवी (श्रीमती साधना देवी)

व्याख्या: 1930 में महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन और नमक सत्याग्रह के दौरान बिहार की महिलाओं ने पर्दा प्रथा त्यागकर अभूतपूर्व साहस के साथ स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया। बेगूसराय और मुंगेर क्षेत्र में विदेशी कपड़ों की होली जलाने, मादक द्रव्यों व शराब की दुकानों पर धरना देने और चौकीदारी कर बंदी के प्रचार में 'श्रीमती साधना देवी' ने अग्रणी भूमिका निभाई। उनके ओजस्वी भाषणों और निडर नेतृत्व से प्रेरित होकर सैकड़ों ग्रामीण महिलाओं ने गिरफ्तारी दी। ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। उनके साथ सरस्वती देवी, प्रभावती देवी और विंध्यवासिनी देवी ने भी बिहार के विभिन्न जिलों में महिला सत्याग्रह का नेतृत्व किया था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle & Women's

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W2 – दशहरा/छठ/मोहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव) के अनुसार दुर्गा पूजा मेलों या छठ अर्घ्य के समय नदी घाटों पर अत्यधिक जनसमूह के बीच छोटे बच्चों को परिजनों से बिछड़ने से बचाने हेतु क्या पहचान उपाय करना चाहिए और किसी खोए हुए बच्चे को तुरंत कहाँ ले जाना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: बच्चे की जेब में नाम, पता व फोन नंबर की पर्ची रखना; मेला नियंत्रण कक्ष/खोया-पाया केंद्र ले जाना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W2: दशहरा/छठ/मोहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी) के अनुसार, बड़े धार्मिक मेलों और नदी घाटों पर बाल सुरक्षा हेतु पूर्व-तैयारी अत्यंत अनिवार्य है: (1) मेले या भीड़भाड़ वाले घाट पर जाने से पूर्व प्रत्येक छोटे बच्चे की जेब में उसके माता-पिता का नाम, पूरा पता और कम से कम दो सक्रिय मोबाइल नंबर लिखी एक लेमिनेटेड या वाटरप्रूफ पर्ची अवश्य रख दें; साथ ही बच्चे को यह सिखाएं कि यदि वह परिजनों से अलग हो जाए तो घबराकर इधर-उधर दौड़ने के बजाय किसी पुलिसकर्मी, वर्दीधारी वॉलंटियर या सुरक्षा कर्मी से ही संपर्क करे; (2) यदि मेले में किसी छात्र या नागरिक को कोई लावारिस या रोता हुआ बच्चा मिले, तो उसे भीड़ में अकेला छोड़ने या अपने साथ ले जाने के बजाय तत्काल निकटतम 'मेला नियंत्रण कक्ष' (Control Room), पुलिस सहायता केंद्र या 'खोया-पाया केंद्र' (Lost & Found Camp) [illegible] हाथ मजबूती से पकड़ रहें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W2 – "दशहरा/छठ/मोहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव की जानकारी";

प्र.12. एक समचतुर्भुज (Rhombus) का परिमाप 52 सेमी है तथा उसके एक विकर्ण की लंबाई 10 सेमी है। बताइए उस समचतुर्भुज का क्षेत्रफल कितने वर्ग सेंटीमीटर होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 120 वर्ग सेमी

व्याख्या: यह समचतुर्भुज के परिमाप, विकर्णों के परस्पर लंबवत समद्विभाजन और क्षेत्रफल पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है।

समचतुर्भुज की चारों भुजाएं समान होती हैं: भुजा (a) = \text{परिमाप} / 4 = 52 / 4 = 13\text{ सेमी}। समचतुर्भुज के विकर्ण एक-दूसरे को समकोण (90^\circ) पर समद्विभाजित करते हैं। यहाँ पहला विकर्ण (d_1) = 10 सेमी, अतः उसका आधा भाग = 10 / 2 = 5\text{ सेमी}। माना दूसरे विकर्ण का आधा भाग = x सेमी। समकोण त्रिभुज में पाइथागोरस प्रमेय के अनुसार: (\text{भुजा})^2 = (\text{आधा पहला विकर्ण})^2 + (\text{आधा दूसरा विकर्ण})^2, 13^2 = 5^2 + x^2, 169 = 25 + x^2 x^2 = 169 - 25 = 144, x = \sqrt{144} = 12\text{ सेमी}। अतः दूसरा पूरा विकर्ण (d_2) = 2 \times 12 = 24\text{ सेमी}। अब, समचतुर्भुज का क्षेत्रफल = (1/2) \times d_1 \times d_2 \text{क्षेत्रफल} = (1/2) \times 10 \times 24 = 5

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण।

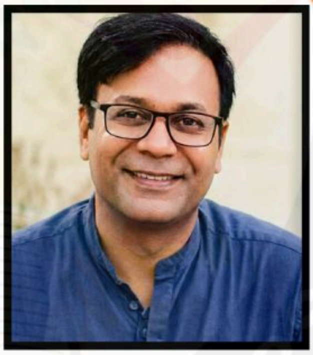

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. **Abstruse (ऐब्स्ट्रूस) = Esoteric (एसोटेरिक) = गूढ़ / कठिनाई से समझ में आने वाला**
   Antonym – Intelligible (इन्टेलिजिबल) = आसानी से समझ में आने वाला / बोधगम्य
2. **Belligerent (बेलिजरेंट) = Hostile (हॉस्टाइल) = झगड़ालू / शत्रुतापूर्ण**
   Antonym – Amicable (ऐमिकेबल) = मैत्रीपूर्ण / सौहार्दपूर्ण
3. **Diffident (डिफिडेंट) = Shy (शाई) = संकोची / आत्मविश्वास की कमी वाला**
   Antonym – Confident (कॉन्फिडेंट) = आत्मविश्वासी / निडर
4. **Exonerate (इग्ज़ॉनरेट) = Acquit (अक्विट) = दोषमुक्त करना / आरोप से बरी करना**
   Antonym – Incriminate (इन्क्रिमिनेट) = दोषी ठहराना / अपराध में फँसाना
5. **Inimical (इनिमिकल) = Adverse (ऐडवर्स) = प्रतिकूल / अहितकर**
   Antonym – Favorable (फेवरबल) = अनुकूल / हितकारी

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India's retail inflation rises to 5.54% in September, nearing RBI's upper tolerance limit
हिन्दी अनुवाद: सितंबर में भारत की खुदरा महँगाई बढ़कर 5.54% हुई, RBI की ऊपरी सहन-सीमा के करीब।
उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित खुदरा महँगाई अगस्त के 4.82% से बढ़कर सितंबर में 5.54% हो गई। यह नई CPI शृंखला में पहली बार 5% से ऊपर पहुँची और भारतीय रिज़र्व बैंक की 6% ऊपरी सहन-सीमा के करीब है। UPSC/BPSC के लिए: CPI — उपभोक्ता मूल्य सूचकांक; Retail inflation — खुदरा महँगाई; RBI tolerance band — RBI की सहन-सीमा।

GST Council to consider rate changes once a year; reforms targeted from April 2027
हिन्दी अनुवाद: GST परिषद वर्ष में एक बार दरों में बदलाव पर विचार करेगी; सुधार अप्रैल 2027 से लागू करने का लक्ष्य।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार, GST दरों में बदलाव पर परिषद साल में एक बार विचार करेगी और बदलाव 1 अप्रैल से लागू करने का लक्ष्य होगा। परिषद ने अनुपालन प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कई सुधारों की सिफारिश भी की है। UPSC/BPSC के लिए: GST Council — वस्तु एवं सेवा कर परिषद; GST compliance — GST अनुपालन; tax rates — कर दरें।

PM Modi inaugurates and launches projects worth over ₹13,000 crore in Tamil Nadu
हिन्दी अनुवाद: प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चेन्नई में तमिलनाडु की 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास किया। इनमें चेन्नई मेट्रो फेज़-II का पूनमल्ली–वडापालनी खंड भी शामिल है। UPSC/BPSC के लिए: infrastructure — बुनियादी ढाँचा; dedication to the nation — राष्ट्र को समर्पण; foundation stone — शिलान्यास।

INTERNATIONAL NEWS

Robert E. Hall and Michael Woodford win 2026 Nobel Prize in Economic Sciences
हिन्दी अनुवाद: रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार मिला।
दोनों अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को "समष्टि आर्थिक स्थिरीकरण की सूक्ष्म आर्थिक नींव" पर उनके कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उनके शोध से यह समझने में मदद मिलती है कि परिवारों और व्यवसायों के फैसले पूरे अर्थतंत्र को कैसे प्रभावित करते हैं और आर्थिक उतार-चढ़ाव के प्रबंधन में नीतियाँ कैसे काम कर सकती हैं। UPSC/BPSC के लिए: macroeconomics — समष्टि अर्थशास्त्र; microeconomic foundations — सूक्ष्म आर्थिक आधार; economic stabilisation — आर्थिक स्थिरीकरण।

2026 Nobel Prize announcements conclude with Economics award
हिन्दी अनुवाद: अर्थशास्त्र पुरस्कार की घोषणा के साथ 2026 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणाएँ पूरी हुईं।
अर्थशास्त्र का पुरस्कार इस वर्ष घोषित अंतिम नोबेल श्रेणी थी। रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड इसे साझा करेंगे। यह पुरस्कार औपचारिक रूप से Sveriges Riksbank Prize in Economic Sciences in Memory of Alfred Nobel कहलाता है। UPSC/BPSC के लिए: laureate — पुरस्कार विजेता; Sveriges Riksbank — स्वीडन का केंद्रीय बैंक; Nobel week — नोबेल घोषणा सप्ताह।

Saudi Arabia vows firm response after Houthi attack on Riyadh airport
हिन्दी अनुवाद: रियाद हवाई अड्डे पर हूति हमले के बाद सऊदी अरब ने कड़ी प्रतिक्रिया देने का संकल्प लिया।
रियाद हवाई अड्डे पर घातक हमले के बाद सऊदी-नेतृत्व वाली सेनाओं ने हूतियों को निर्णायक जवाब देने की बात कही। क्षेत्र में तनाव के बीच यमन की राजधानी सना पर हवाई हमलों और होर्मुज़ जलडमरूमध्य में एक जहाज़ पर ड्रोन हमले की खबरें भी आईं। UPSC/BPSC के लिए: Houthi rebels — हूति विद्रोही; Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; regional security — क्षेत्रीय सुरक्षा।

BIHAR NEWS

Flood situation worsens in Bihar; major rivers remain above danger level
हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर; कई प्रमुख नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर।
DD News के अनुसार, गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, पुनपुन और घाघरा समेत कई नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। 13 जिलों के 77 प्रखंडों और 438 ग्राम पंचायतों में राहत और बचाव कार्य जारी हैं। UPSC/BPSC के लिए: flood management — बाढ़ प्रबंधन; danger level — खतरे का निशान; relief and rescue — राहत एवं बचाव।

Ganga erosion in Bhagalpur leaves more than 65 families homeless
हिन्दी अनुवाद: भागलपुर में गंगा के कटाव से 65 से अधिक परिवार बेघर।
भागलपुर के राघोपुर इलाके में तेज़ कटाव के कारण 65 से अधिक परिवारों के घर बहने की खबर है। प्रशासन प्रभावित परिवारों का सर्वे कर रहा है। UPSC/BPSC के लिए: riverbank erosion — नदी तट कटाव; rehabilitation — पुनर्वास; damage assessment — क्षति आकलन।

SPORTS NEWS

India beat West Indies by 14 runs in third T20I, take 2–1 series lead
हिन्दी अनुवाद: भारत ने तीसरे T20I में वेस्टइंडीज़ को 14 रन से हराया, श्रृंखला में 2–1 की बढ़त बनाई।
भारत ने तीसरे T20I में जीत के साथ पाँच मैचों की श्रृंखला में बढ़त हासिल की। उपलब्ध खेल रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय गेंदबाज़ों ने लक्ष्य का बचाव कर जीत सुनिश्चित की। UPSC/BPSC के लिए: T20I — ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय; series lead — श्रृंखला में बढ़त; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड।

India vs West Indies 3rd T20I: Shreyas Iyer-led India take on Shai Hope's West Indies in Indore
हिन्दी अनुवाद: भारत बनाम वेस्टइंडीज तीसरा T20I: श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली भारतीय टीम इंदौर में शाई होप की वेस्टइंडीज का सामना करेगी।
भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरा T20I मैच रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम शाई होप की वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। टॉस शाम 6:30 बजे IST पर हुआ। UPSC/BPSC के लिए: BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; T20I — Twenty20 International; Holkar Stadium — होलकर स्टेडियम।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज के करेंट अफेयर्स नोट

2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला; भारत की सितंबर खुदरा महँगाई 5.54% रही।

प्रेरक प्रसंग

क्या बोएँ, क्या काटें

एक बार महात्मा गांधी एक छोटे-से गाँव में पहुँचे। उनके आने की खबर सुनकर गाँव के लोग उनसे मिलने एकत्र हो गए। गांधी जी ने मुस्कराते हुए पूछा, "भाइयो, इन दिनों आप लोग क्या बो रहे हैं और क्या काट रहे हैं?"

एक बुजुर्ग किसान ने कहा, "बापू, इस मौसम में खेत सूखे पड़े हैं। फसल बोने का समय नहीं है। हम तो खाली बैठे हैं और समय बिताने के लिए आपस में बातें करते हैं।"

गांधी जी ने पूछा, "जब खेती का काम रहता है, तब तो आप दिन-रात मेहनत करते हैं। लेकिन जब खेत खाली होते हैं, तब क्या आप अपने समय का उपयोग किसी दूसरे उपयोगी काम में नहीं कर सकते?"

किसान ने उत्तर दिया, "बापू, ऐसा कौन-सा काम करें, जिससे हमारा समय भी अच्छा बीते और कुछ लाभ भी हो?"

गांधी जी ने समझाया, "खाली समय में अपने औजारों की मरम्मत करो, घर और गाँव की सफाई करो, बच्चों को पढ़ाओ, नए कौशल सीखो और मिल-जुलकर गाँव की समस्याओं का समाधान खोजो। खेत खाली हो सकते हैं, लेकिन जीवन का हर दिन कुछ नया करने का अवसर देता है।"

एक युवक ने उत्सुकता से पूछा, "बापू, इससे हमारा भविष्य कैसे सुधरेगा?"

गांधी जी बोले, "जैसा बीज बोओगे, वैसी ही फसल पाओगे। यदि समय में आलस्य बोओगे, तो पछतावा काटोगे। यदि मेहनत, ज्ञान और अच्छे विचार बोओगे, तो सफलता और सम्मान की फसल पाओगे।"

गाँव वालों को अपनी गलती समझ में आ गई। उन्होंने खाली समय को व्यर्थ गँवाने के बजाय गाँव को स्वच्छ बनाने, बच्चों को पढ़ाने और नए काम सीखने का संकल्प लिया।

प्रेरक सीख:

हमारा समय भी खेत की तरह है। उसमें आलस्य बोएँगे तो पछतावा मिलेगा, और मेहनत, ज्ञान तथा अच्छे कर्म बोएँगे तो सफलता का फल मिलेगा।

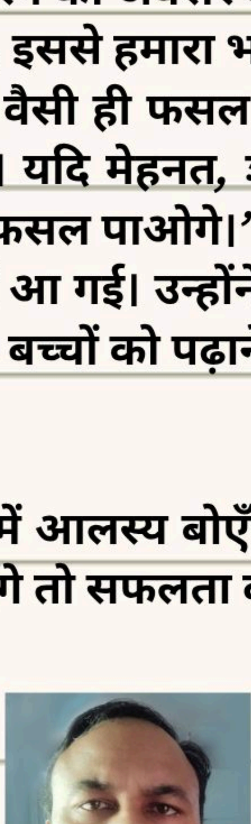

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-18

सोचो... समझो... हल करो...

			2	4		9		
3				7				8
	2				6			
						3	8	2
1	4	5						
								5
2	6						5	
			8		4			
5								7

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"जो सीखने की इच्छा रखता है, उसके लिए हर दिन एक नया अवसर है।"

— स्वामी विवेकानंद

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

7	5	1	2	4	8	9	3	6
3	9	6	5	7	1	2	4	8
4	2	8	9	3	6	5	7	1
6	7	9	4	1	5	3	8	2
1	4	5	3	8	2	7	6	9
8	3	2	7	6	9	4	1	5
2	6	3	1	9	7	8	5	4
9	1	7	8	5	4	6	2	3
5	8	4	6	2	3	1	9	7

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 4, श्लोक 39
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति॥

सरल हिन्दी अर्थ:

जिसकी श्रद्धा (गहरा विश्वास और निष्ठा) है, जो तत्पर (साधना व सीखने में निरंतर समर्पित) है और जिसकी इंद्रियाँ भली-भाँति संयमित हैं, वही ज्ञान को प्राप्त करता है। ऐसा सच्चा ज्ञान प्राप्त करके वह व्यक्ति बिना किसी विलंब के तत्काल परम शांति को पा लेता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ ज्ञान प्राप्त करने के लिए केवल बौद्धिक क्षमता (IQ) को पर्याप्त नहीं मानते, बल्कि तीन अनिवार्य पूर्व-शर्तों (Prerequisites for True Learning) को रेखांकित करते हैं:

- श्रद्धा (Trust & Open Mind): श्रद्धा का अर्थ अंधविश्वास नहीं, बल्कि सीखने के प्रति खुलापन और विषय या मार्गदर्शक के प्रति सम्मान का भाव है। यदि मन पहले से ही संशय, अहंकार या पूर्वाग्रह से भरा हो, तो उसमें नया ज्ञान प्रवेश ही नहीं कर सकता।
- तत्परता (Active Engagement & Discipline): ज्ञान केवल बैठकर सुनने से नहीं मिलता; उसके लिए निरंतर अभ्यास, समय की पाबंदी और सीखने के प्रति गहरी लगन अनिवार्य है।
- संयतेन्द्रियः (Focus & Distraction Control): इंद्रियों का संयम अर्थात भटकावों पर नियंत्रण। जब तक आँख, कान और मन बाहरी आकर्षणों में बिखरे रहेंगे, तब तक किसी भी विषय की गहराई तक पहुँचना असंभव है।

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे) पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे युरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे पेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चो के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियो के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

सर्वस्व दान करने वाले सच्चे: 'देशबंधु' चित्तरंजन दास

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सुना है, जो अपनी लाखों रुपये महीने की वकालत छोड़कर आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़ा हो और अपना आलीशान घर और सारी संपत्ति देश के गरीबों और अनाथों के नाम दान कर दी हो? हमारे देश में एक ऐसे ही उदार हृदय और महान देशभक्त हुए, जिन्हें पूरे भारत ने आदर और कृतज्ञता से 'देशबंधु' की उपाधि दी। 'देशबंधु' का अर्थ होता है—'पूरे देश का सच्चा भाई और मित्र'। वे थे चित्तरंजन दास! चित्तरंजन दास का जन्म 5 नवंबर 1870 को कोलकाता (कलकत्ता) के तेलिरबाग गाँव के एक सुसंस्कृत और प्रतिष्ठित वैद्य-ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री भुवन मोहन दास कलकत्ता उच्च न्यायालय के जाने-माने वकील और पत्रकार थे, जो बहुत दयालु और साहित्य प्रेमी थे। उनकी माता श्रीमती निस्तारिणी देवी अत्यंत धर्मपरायण, स्नेहमयी और ममता की मूरत थीं।

नन्हे चित्तरंजन बचपन से ही बड़े दयालु, कुशाग्र बुद्धि और स्वाभिमानी बालक थे। यदि वे रास्ते में किसी गरीब या भूखे बच्चे को देखते, तो अपनी जेबखर्च के सारे पैसे उसे दे देते थे। कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज से स्नातक करने के बाद वे कानून की उच्च शिक्षा प्राप्त करने इंग्लैंड गए और वहाँ से बैरिस्टर बनकर लौटे। भारत लौटकर उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट में वकालत शुरू की। वे इतने चतुर और कुशल वकील थे कि बड़े से बड़ा मुकदमा चुटकियों में जीत लेते थे। उनकी वकालत की तूती बोलती थी और वे उस समय देश के सबसे अमीर वकीलों में गिने जाने लगे। परंतु उनका दिल केवल धन कमाने में नहीं, बल्कि अपने देशवासियों के दर्द में धड़कता था।

जब 1908 में अंग्रेज़ सरकार ने 'अलीपुर बम कांड' में क्रांतिकारी महर्षि अरविंद घोष को झूठे मुकदमे में फँसाकर फाँसी पर चढ़ाने की साज़िश रची, तब चित्तरंजन दास ने अपना सारा काम-काज छोड़कर उनका मुकदमा मुफ्त में लड़ा। उन्होंने अदालत में ऐसी ज़बरदस्त और तार्किक बहस की कि अंग्रेज़ जज भी दंग रह गए और अरविंद घोष बाइज्ज़त बरी हो गए। जब 1920 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया, तो चित्तरंजन दास ने अपनी लाखों की आमदनी वाली वकालत एक ही झटके में हमेशा के लिए छोड़ दी। उन्होंने अपने रेशमी सूट उतारकर खादी का सादा कुर्ता-धोती पहन लिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस उन्हें अपना 'राजनीतिक गुरु' मानते थे और उनके हर आदेश का पालन करते थे।

चित्तरंजन दास ने मोतीलाल नेहरू के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' बनाई और अंग्रेज़ों की बनाई परिषदों में जाकर उनके काले कानूनों का खुलकर विरोध किया। उन्होंने 'फॉरवर्ड' नामक समाचार पत्र निकाला और कलकत्ता के पहले निर्वाचित मेयर बनकर शहर के गरीबों और बच्चों के लिए अनेक स्कूल और अस्पताल बनवाए। उन्होंने अपना आलीशान घर महिलाओं के अस्पताल और अनाथालय के लिए दान कर दिया, जिसे आज 'चित्तरंजन सेवा सदन' के नाम से जाना जाता है। अत्यधिक परिश्रम के कारण 16 जून 1925 को दार्जिलिंग में मात्र चौवन वर्ष की उम्र में इस महादानी महापुरुष का देहांत हो गया। प्यारे बच्चों, देशबंधु चित्तरंजन दास का पावन जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची दौलत धन-दौलत में नहीं, बल्कि त्याग, सेवा और अपने देशवासियों से बिना किसी शर्त प्यार करने में है।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)

📱-9939671700

आज का विचार:

ज्ञान पाने का पहला कदम अपनी पात्रता सिद्ध करना है। जब आपके भीतर सीखने की सच्ची निष्ठा, निरंतर प्रयास और भटकावों से दूर रहने का संयम होता है, तो ज्ञान और परम शांति दोनों आपको स्वतः प्राप्त हो जाते हैं।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org